Five Chinese Brothers

Claire Huchet Bishop

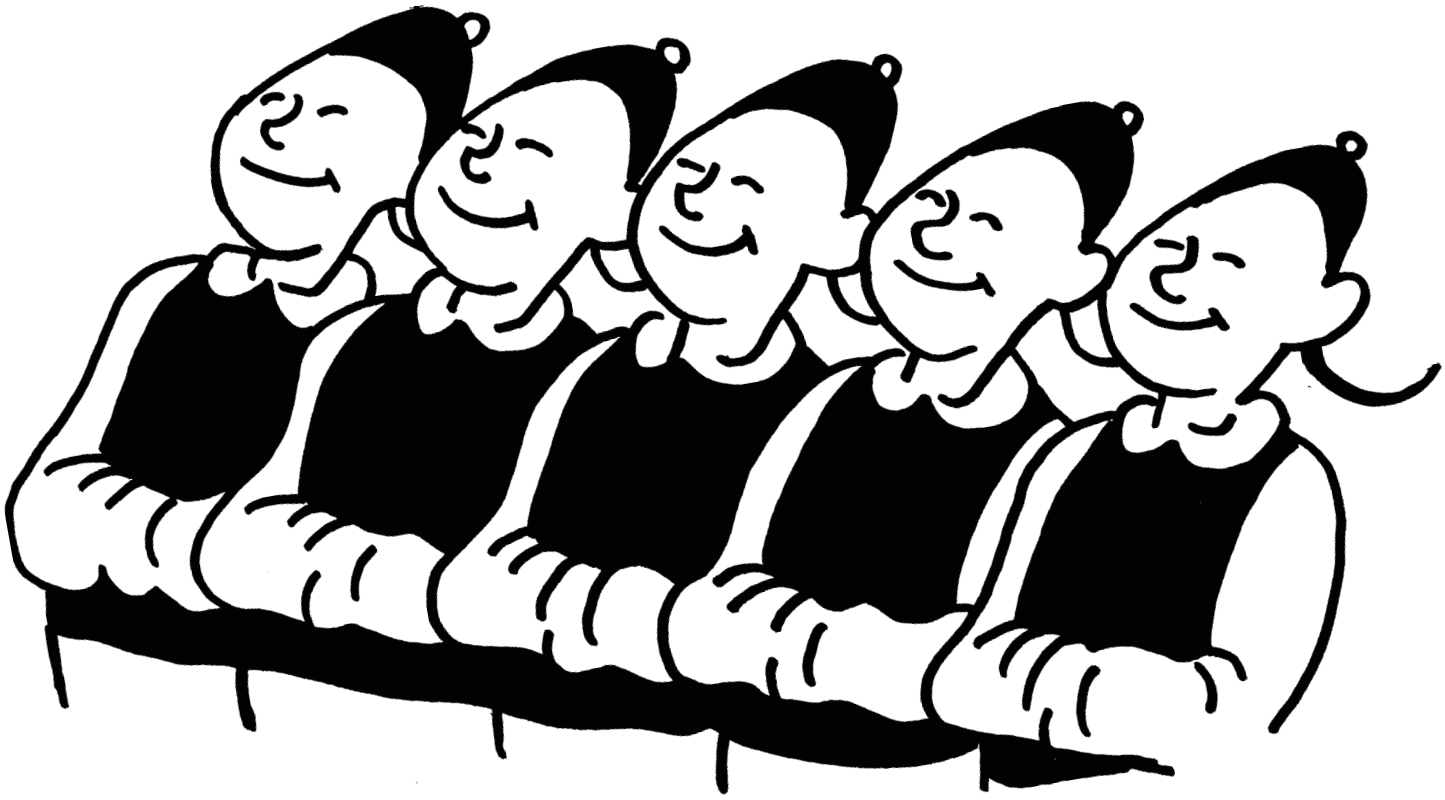

पांच चीनी भाई

क्लैर हचिट बिशप

अनुवादः अरविन्द गुप्ता

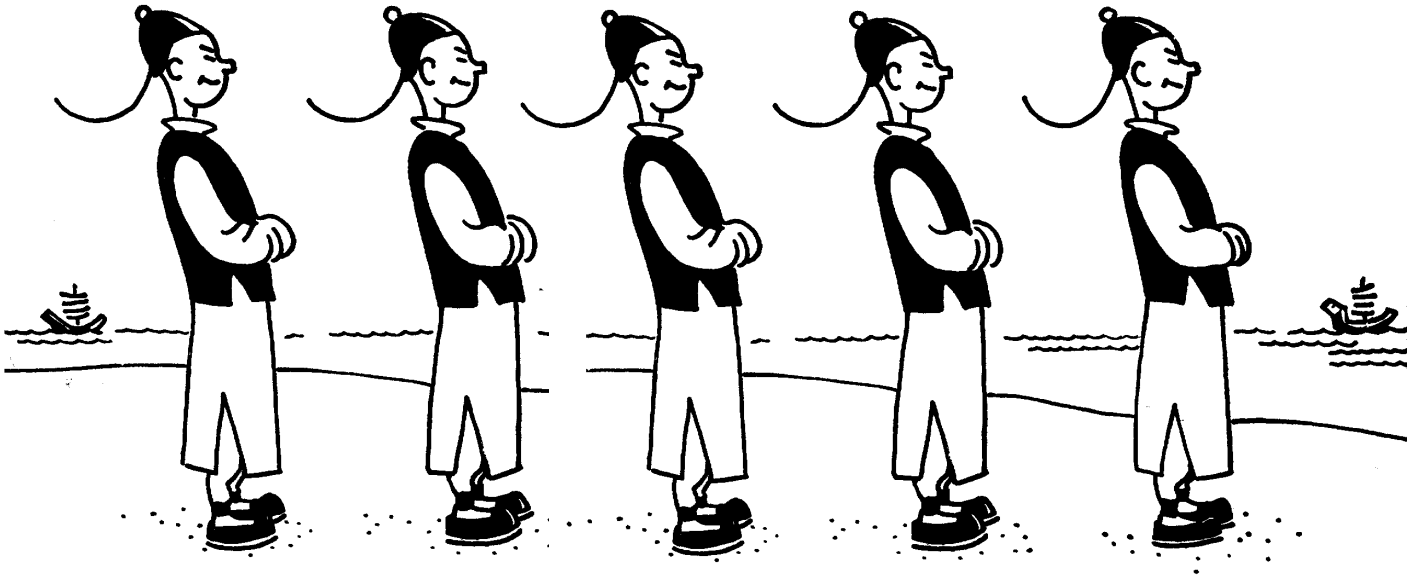

Once upon a time
there were
Five Chinese Brothers
and they looked exactly alike.

बहुत पुराने जमाने की बात है।
चीन में पांच भाई रहते थे।
उनकी एक खास बात थी।
पांचों भाई देखने में बिल्कुल एक जैसे लगते थे।

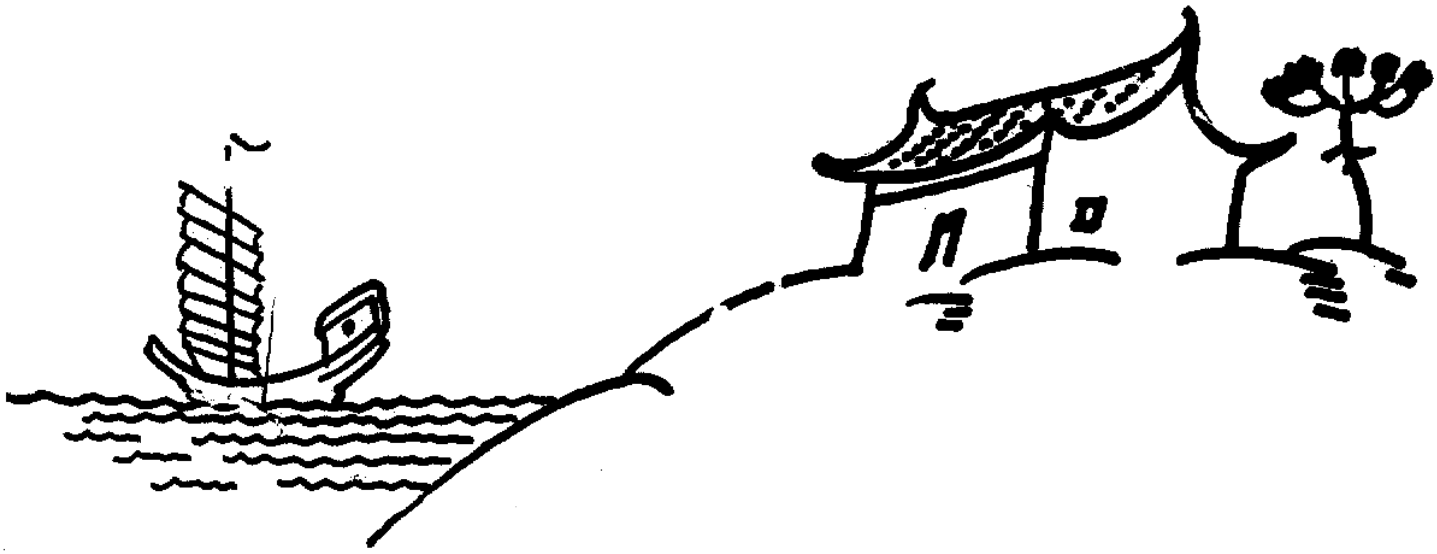

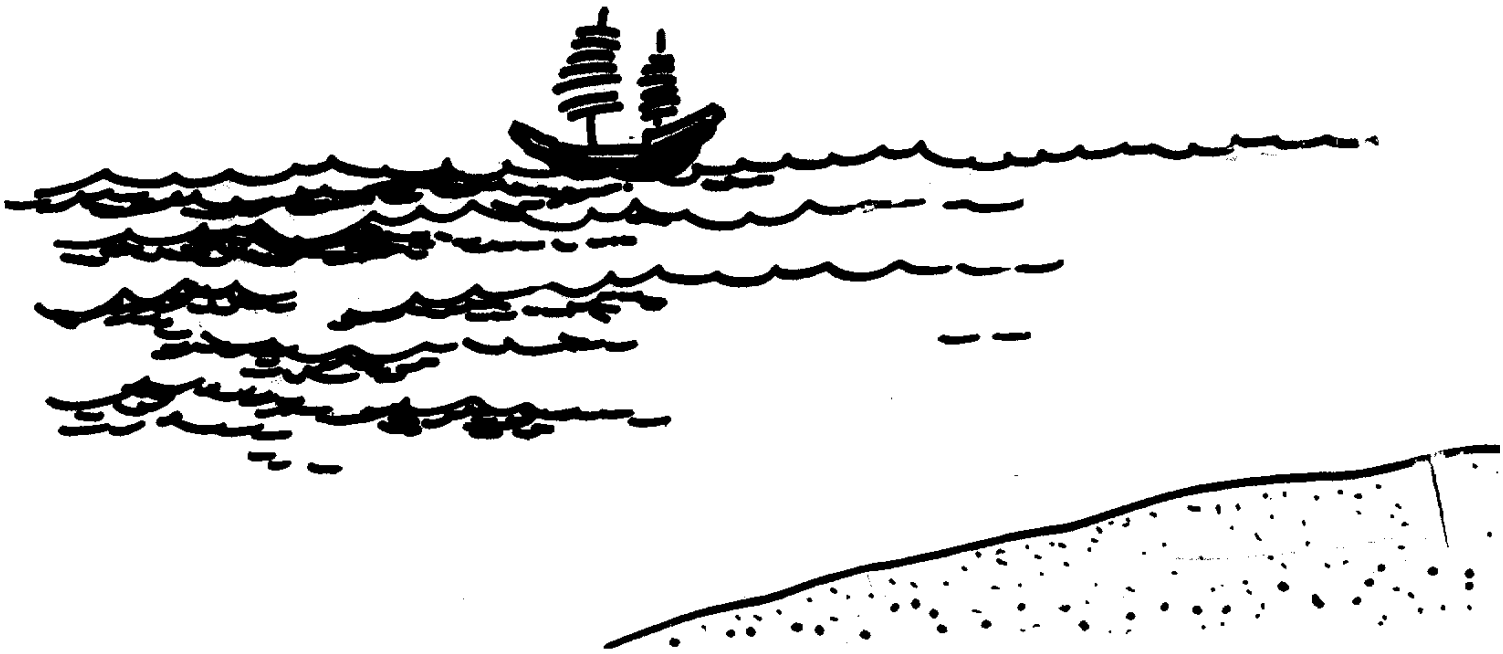

They lived with their mother in a small house not far from the sea.

वे सभी अपनी मां के साथ रहते थे। उनका छोटा सा घर, समुद्र के पास था।

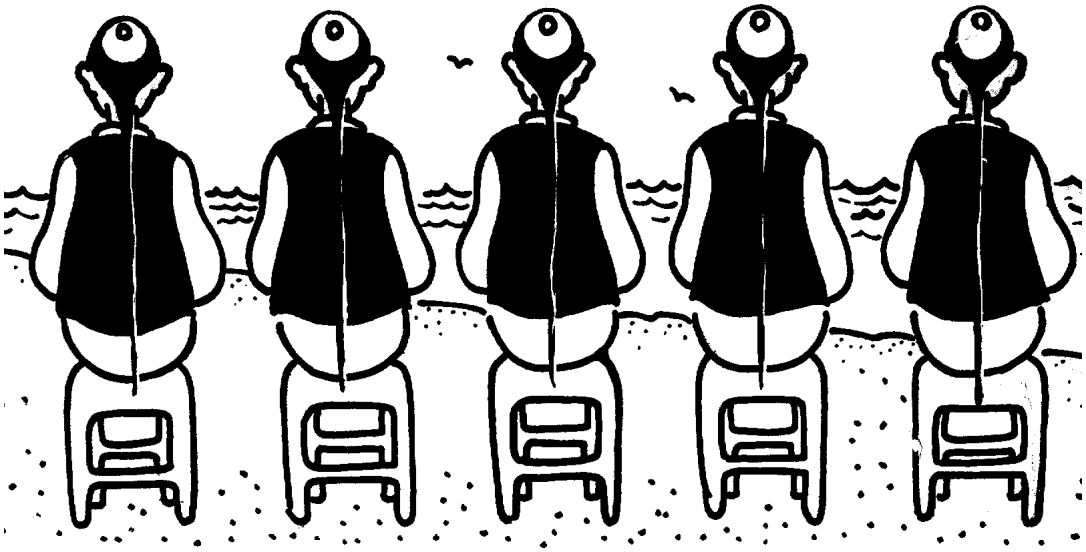

The First Chinese Brother could swallow the sea. The Second Chinese Brother had an iron neck. The Third Chinese Brother could stretch and stretch and stretch his legs. The Fourth Chinese Brother could not be burned. And, The Fifth Chinese Brother could hold his breath indefinitely.

Every morning the First Chinese Brother would go fishing, and whatever the weather, he would come back to the village with beautiful and rare fish which he had caught and could sell at the market for a very good price.

One day, as he was leaving the market place, a little boy stopped him and asked him if he could go fishing with him.

"No, it could not be done," said the First Chinese Brother.
But the little boy begged and begged and finally
the First Chinese Brother consented. "Under one condition," said he,
"and that is that you shall obey me promptly."
"Yes, yes," the little boy promised.

पहला चीनी भाई समुद्र को निगल सकता था। दूसरे चीनी भाई की गर्दन लोहे की बनी थी। तीसरा चीनी भाई अपनी टांगों को खींचकर जितना चाहें उतना लंबा कर सकता था। चौथे चीनी भाई को जलाना असंभव था। और पांचवा चीनी भाई अपनी सांस को जितनी देर चाहें रोक कर रख सकता था।

हर सुबह, पहला चीनी भाई मछली पकड़ने के लिए समुद्र के किनारे जाता था। चाहें मौसम खराब क्यों न हो, वो हमेशा ही सुंदर और बेशकीमती मछलियां पकड़ कर लाता था। इन मछलियों को वो गांव की हाट में बड़े ऊंचे दामों पर बेंचता था।

एक दिन जब वो बाजार से वापस आ रहा था तो एक छोटे लड़के ने उसे रोक कर पूछा,
'क्या आप मुझे अपने साथ मछली पकड़ने के लिए ले चलेंगे?'

'नहीं, यह संभव नहीं है,' पहले चीनी भाई ने जवाब दिया।
परंतु छोटे लड़के ने बहुत जिद्द करी और हार नहीं मानी। उसने बड़ी आरजू-मिन्नत की।

'एक शर्त पर,' उसने कहा, 'तुम्हें मेरी बात को फौरन मानना होगा।'
'हां! हां! जरूर,' छोटे लड़के ने वादा किया।

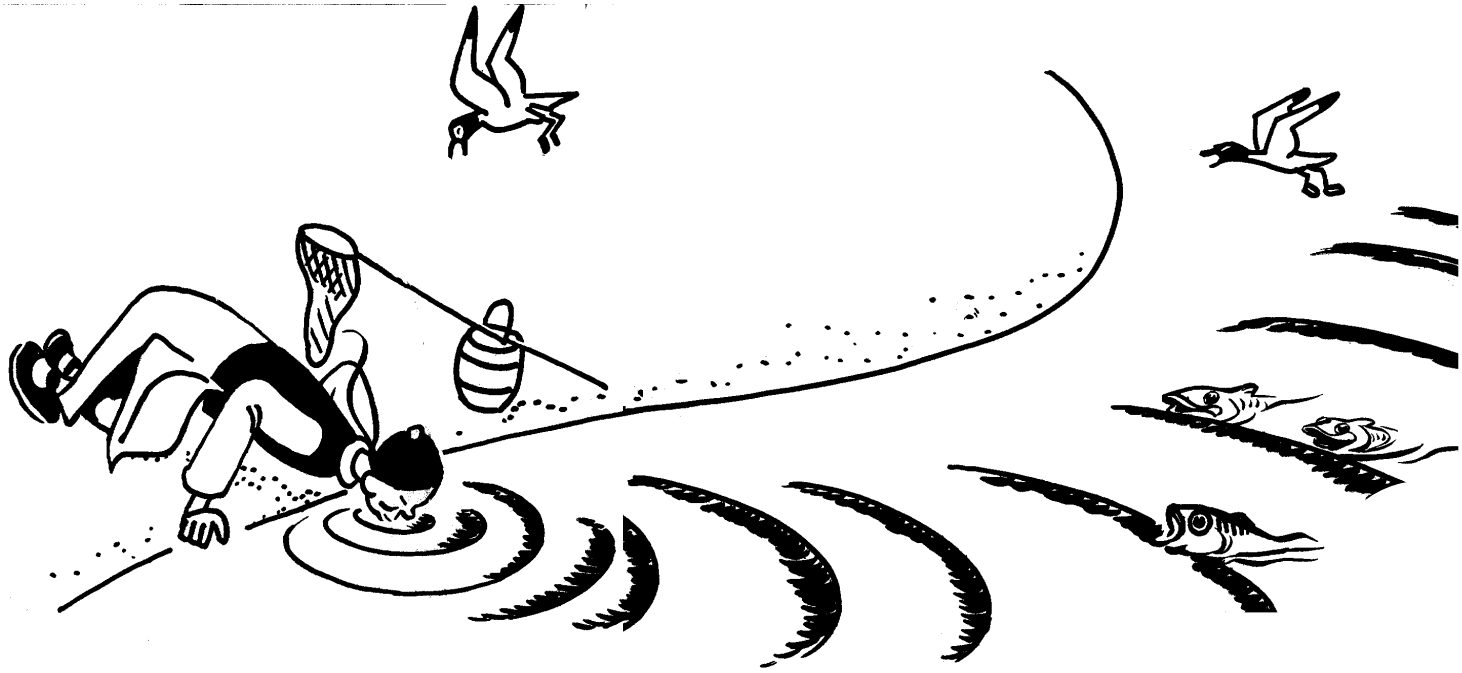

Early next morning, the First Chinese Brother and the little boy went down to the beach.
"Remember," said the First Chinese Brother, "you must obey me promptly. When I make a sign for you to come back, you must come at once."
"Yes, yes," the little boy promised.

Then the First Chinese Brother swallowed the sea.

And all the fish were left high and dry at the bottom of the sea. And all the treasures of the sea lay uncovered.
The little boy was delighted.
He ran here and there stuffing his pockets with strange pebbles, extraordinary shells and fantastic algae.

अगले दिन सुबह, पहला चीनी भाई और छोटा लड़का समुद्र के तट पर गए।
'भूलना मत!,' पहले चीनी भाई ने कहा, 'मेरी आज्ञा का अच्छी तरह पालन करना। जैसे ही मैं इशारा करूं, तुम झट से वापस आना।'
'हां, हां, बिल्कुल,' छोटे लड़के ने कहा।

उसके बाद पहले चीनी भाई ने, समुद्र के पूरे पानी को पी लिया।
पानी खत्म हो जाने से सारी मछलियां समुद्र की तलहटी पर सूखी रेत में फंस गयीं और छटपटाने लगीं।
समुद्र का अनमोल खजाना साफ दिखाई देने लगा।

इतनी सुंदर चीजें देखकर छोटे लड़के की खुशी का ठिकाना न रहा।
वो इधर से उधर दौड़ने लगा और अपनी जेबों में खूबसूरत सीपियां, अद्भुत शंख और नायाब चीजें भरने लगा।
अगले दिन सुबह को पहला चीनी भाई और छोटा लड़का दोनों समुद्र के तट पर गए।

'याद रखना,' पहले चीनी भाई ने कहा, 'तुम मेरे आदेश का तुरंत पालन करना।
मैं जैसे ही इशारा करूं तुम फौरन वापस चले आना।'

'हां! हां!' कहकर, छोटे लड़के ने अपना सिर हिलाया।

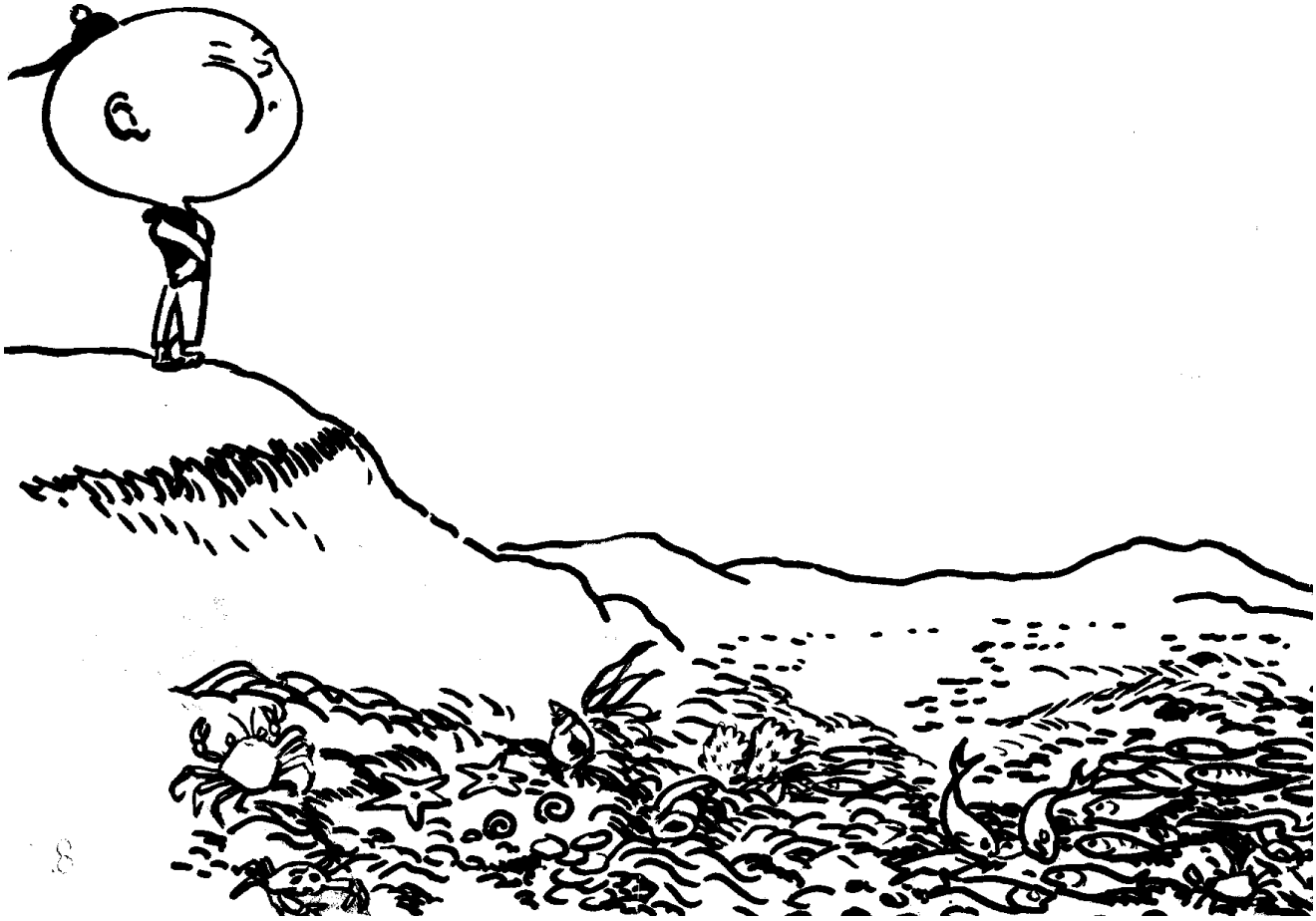

Near the shore the First Chinese Brother gathered some fish while he kept holding the sea in his mouth. Presently he grew tired. It is very hard to hold the sea. So he made a sign with his hand for the little boy to come back. The little boy saw him but paid no attention.

इतनी देर में समुद्र के किनारे पर पहले चीनी भाई ने कुछ मछलियां इकट्ठी करीं।

अभी तक उसने समुद्र को कसकर अपने मुंह में बंद रखा था। परंतु अब वो समुद्र को पकड़े-पकड़े एकदम थक गया था। समुद्र को इस तरह मुंह में पकड़े रखना कोई आसान काम नहीं था।

इसलिए उसने अपने हाथ से छोटे लड़के को तुरंत वापस आने का इशारा किया।

छोटे लड़के ने इशारा देखने के बाद भी उसका पालन नहीं किया।

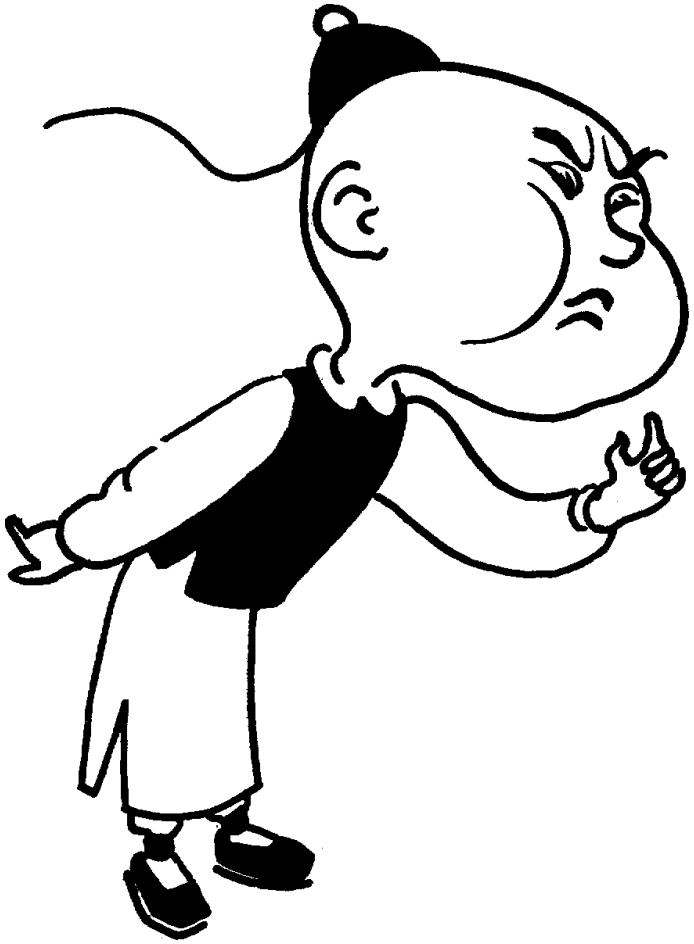

The First Chinese Brother made great movements with his arms and that meant "Come back!" But did the little boy care? Not a bit and he ran further away.
Then the First Chinese Brother felt the sea swelling inside him and he made desperate gestures to call the little boy back. But the little boy made faces at him and fled as fast as he could.

उसके बाद पहले चीनी भाई ने बड़े जोर से अपने हाथ-पैर हिला-हिलाकर, छोटे लड़के को तट के पास आने का इशारा किया। परंतु क्या उस छोटे लड़के ने उसकी बात मानी? बिल्कुल नहीं।
छोटा लड़का अपनी मस्ती में किनारे से और दूर दौड़ने लगा।

तब पहले चीनी भाई से न रहा गया। उसे अपने मुंह के अंदर समुद्र उफनता हुआ महसूस हुआ। उसने छोटे लड़के को वापस बुलाने की भरसक कोशिश करी। परंतु छोटे लड़के ने उसका बस मुंह चिढ़ाया और तेजी से और दूर भागने लगा।

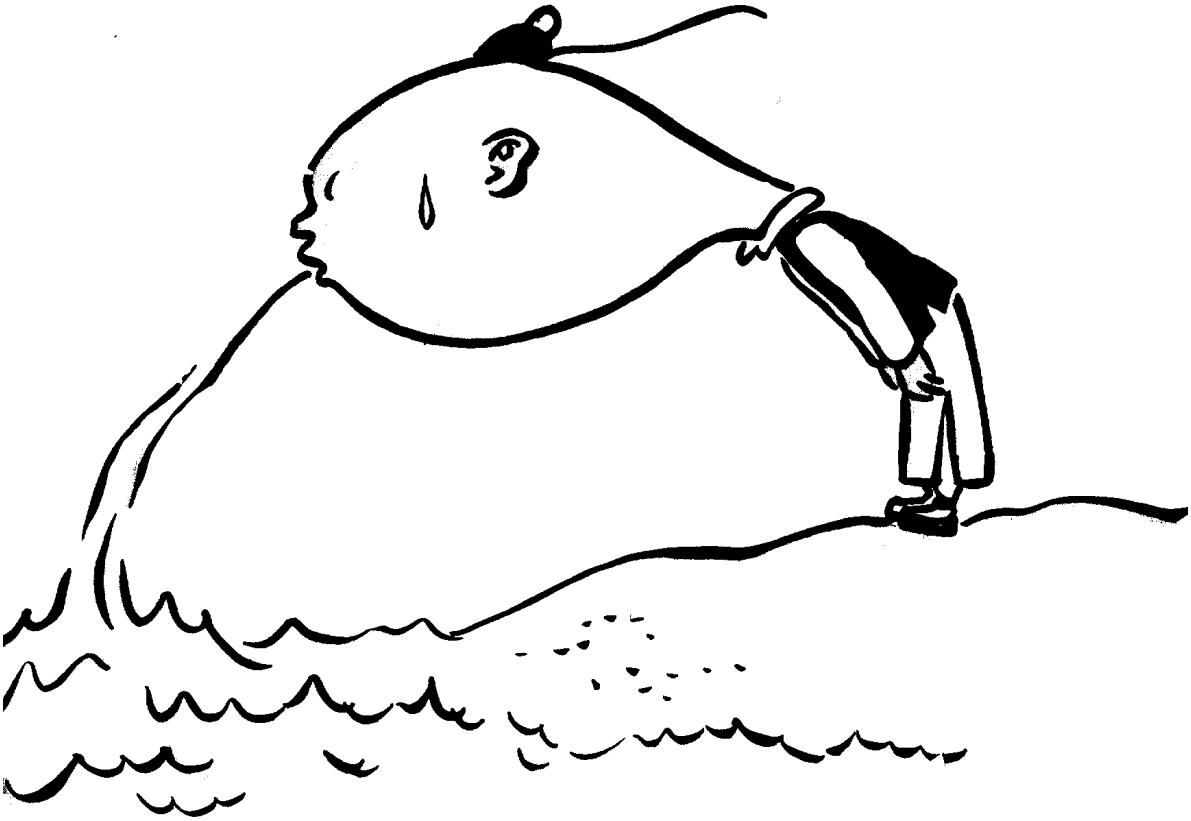

The First Chinese Brother held the sea until he thought he was going to burst.

All of a sudden the sea forced its way out of his mouth, went back it its bed ... and the little boy disappeared.

पहले चीनी भाई ने समुद्र को अपने मुंह के अंदर पकड़े रखने की पूरी कोशिश करी।
परंतु अंत में दर्द से उसका मुंह फटने लगा।

और अगले ही क्षण, सारा समुद्र, एक झटके के साथ, उसके मुंह से बाहर निकल आया।
सूखा समुद्र अब पानी से लबालब भर गया और उसमें वो छोटा लड़का डूब गया।

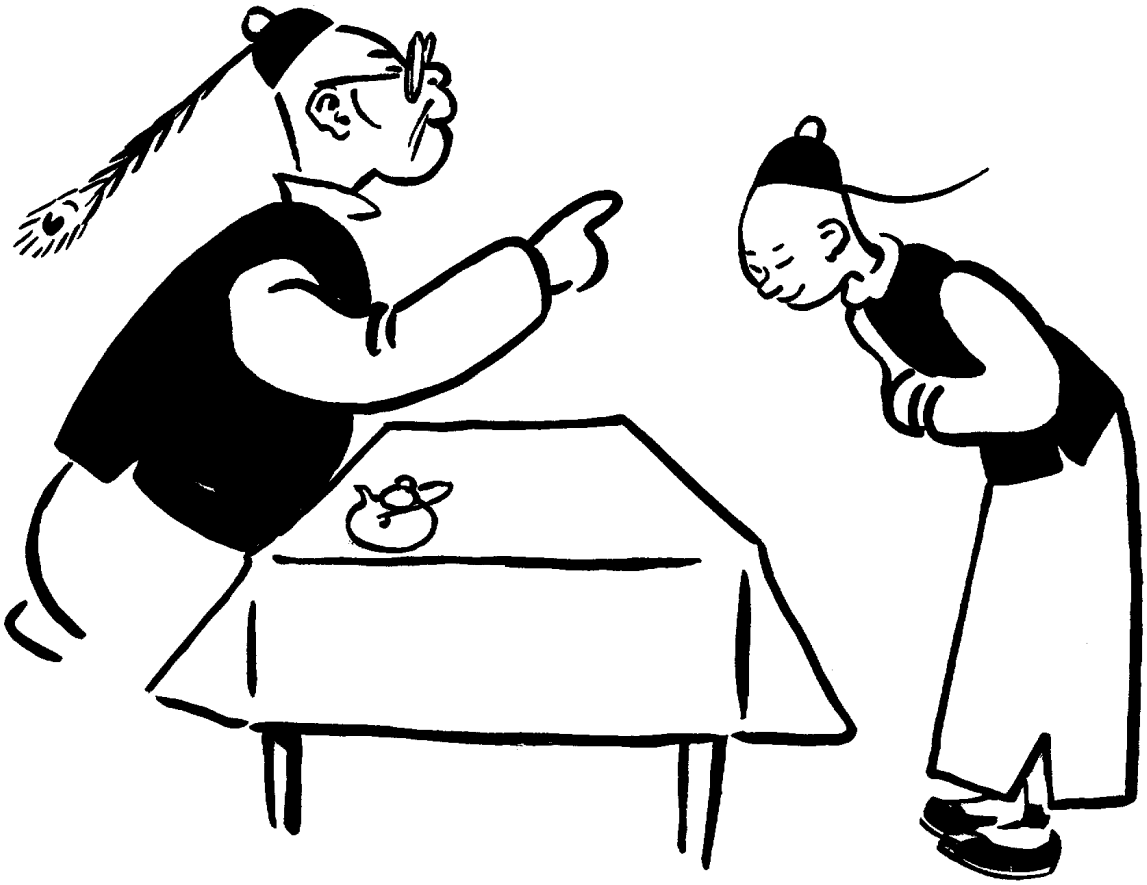

When the First Chinese Brother returned to the village, alone, he was arrested, put in prison and condemned to have his head cut off.

On the morning of the execution he said to the judge:
"Your Honour, will you allow me to go and bid my mother good-bye?"
"It is only fair," said the judge.

So the First Chinese Brother went home ....
and the Second Chinese Brother came back in his place.

पहला चीनी भाई अकेला ही गांव लौटा तो उसे पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया गया। कचहरी के जज ने उसका गला काट देने का आदेश दिया।

फांसी वाले दिन पहले चीनी भाई ने जज साहब से विनती की, 'महाशय, कृपा करके मुझे अपनी मां से आखिरी बार मिलने का मौका दें, जिससे कि मैं उनसे अलविदा कह सकूं।'

'यह तो हर मुजरिम का हक है,' जज साहब ने कहा और उसे अपनी मां से मिलने की इजाजत दे दी। अनुमति मिलने के बाद पहला चीनी भाई घर गया और उसकी जगह पर दूसरा चीनी भाई वापस आ गया।

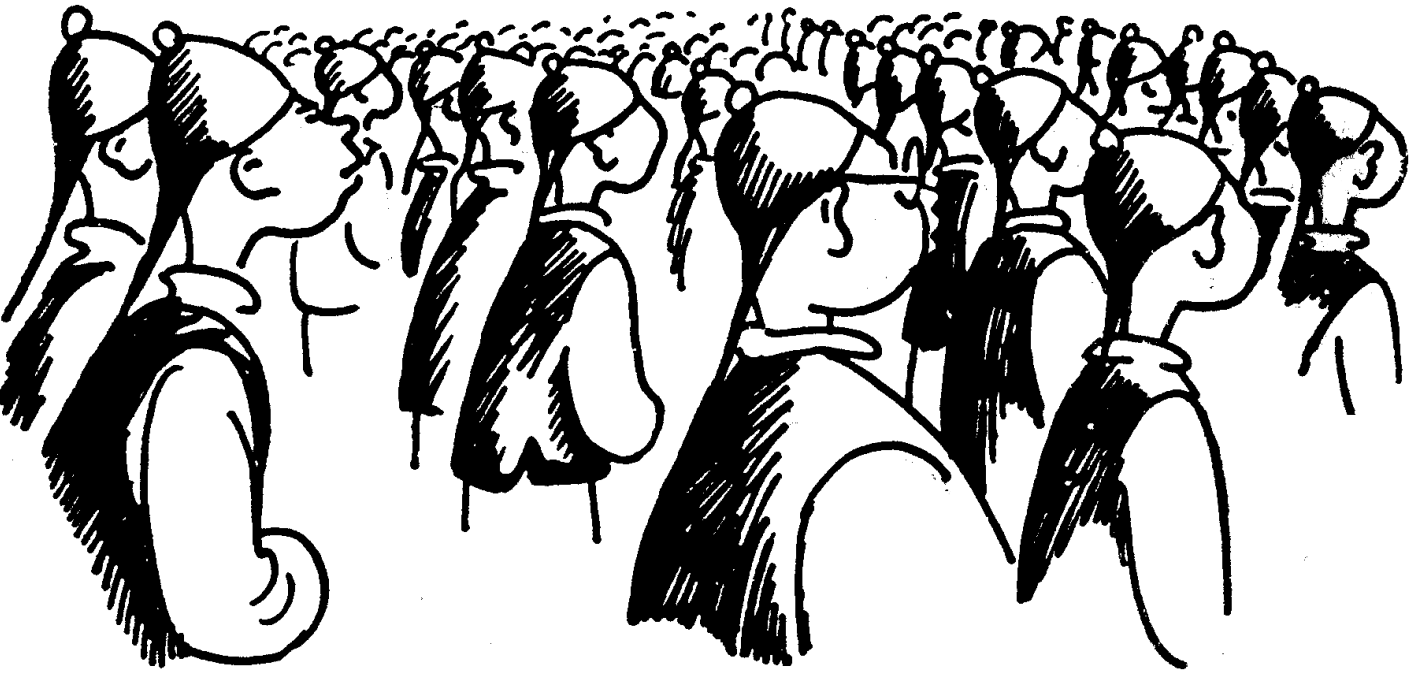

All the people were assembled on the village square to witness the execution.

The executioner took his sword and struck a mighty blow.

सिर कटने की घटना को देखने के लिए पूरा-का-पूरा गांव ही चौपाल पर उमड़ पड़ा।
जल्लाद ने अपनी तलवार से मुजरिम की गर्दन पर जोर का वार किया।

But the Second Chinese Brother got up and smiled. He was the one with the iron neck and they simply could not cut his head off.

Everybody was angry and they decided that he should be drowned.

परंतु दूसरा चीनी भाई हंसते हुए उठ खड़ा हुआ जैसे उसे कुछ हुआ ही न हो।
दूसरे चीनी भाई की गर्दन लोहे की बनी थी और उसे कोई भी काट नहीं सकता था।

उसे जिंदा देखकर गांववालों को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने उसे समुद्र में डुबोने का निर्णय लिया।

On the morning of the execution,
the Second Chinese Brother said to the judge:
"Your honour, will you allow me to go
and bid my mother good-bye?"
"It is only fair," said the judge.

So the Second Chinese Brother went home....
and the Third Chinese Brother came back in his place.
He was pushed on a boat which made for the open sea.

When they were far out on the ocean

सजा वाले दिन दूसरे चीनी भाई ने जज साहब से प्रार्थना की,
'क्या आप मुझे अंतिम बार अपनी मां से नहीं मिलने देंगे?
मैं उने आखिरी अलविदा कहना चाहता हूं।'

'अवश्य, यह तो तुम्हारा हक है,' जज साहब ने कहा।

अनुमति मिलने के बाद दूसरा चीनी भाई घर गया और उसकी जगह पर तीसरा चीनी भाई वापस आया।
क्योंकि सभी भाई देखने में बिल्कुल एक-समान थे इसलिए किसी को भी शक नहीं हुआ।

तीसरे भाई को एक बड़ी नाव में समुद्र के बीच ले जाया गया।

the Third Chinese Brother was thrown overboard.

समुद्र के बीचों-बीच पहुंचने के बाद तीसरे चीनी भाई को नाव से उठाकर समुद्र में फेंक दिया गया।

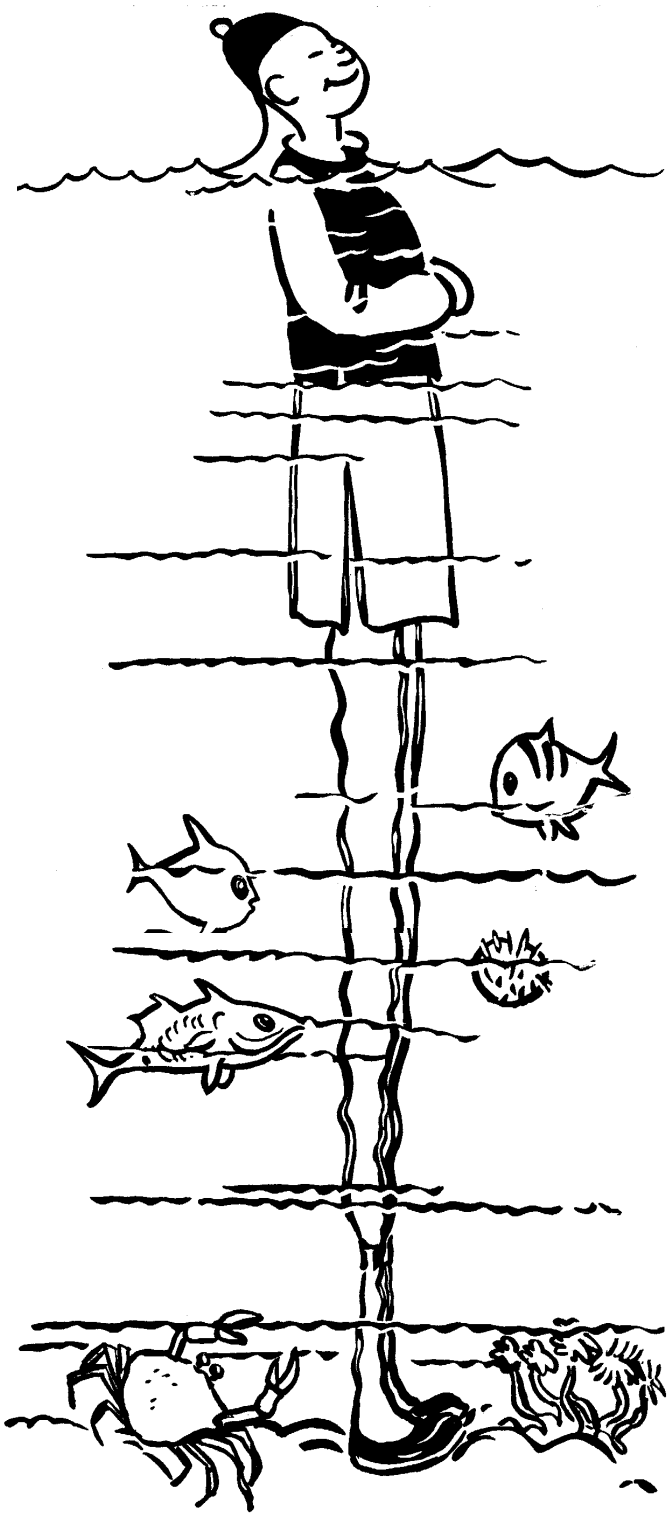

But he began to stretch and stretch and stretch his legs, way down to the bottom of the sea.

And all the time his smiling face was bobbing up and down on the crest of the waves.

He simply could not be drowned.
Everybody was very angry, and they all decided that he should be burned.
On the morning of the execution,
the Third Chinese Brother said to the judge:

"Your Honour, will you allow me to go and bid my mother good-bye?"
"It is only fair," said the judge.
So the Third Chinese Brother went home ....
and the Fourth Chinese Brother came back in his place.

परंतु उसने अपनी टांगों की लंबाई को बढ़ाना शुरू किया।
उसकी टांगें लंबी और लंबी होती चली गयीं।
अंत में वो समुद्र की तलहटी को छूने लगीं।

लोग उसे देखकर हैरान थे। वो मुस्करा रहा था।
उसका चेहरा अभी भी लहरों के ऊपर था। उसे कोई भी डुबा नहीं सकता था।

इस नजारे को देखकर सभी गांववाले गुस्से से झल्ला गए और उन्होंने उसे जिंदा जला डालने का निश्चय किया।
जिस दिन उसे जलाया जाना था उस दिन तीसरे चीनी भाई ने जज साहब से जाकर प्रार्थना की, 'सर, मरने से पहले मुझे एक बार तो अपनी मां से मिलने और उनसे अलविदा कहने का मौका दें?'

'अवश्य,' जज साहब ने उसे मां से मिलने की इजाजत दे दी।

तीसरा चीनी भाई घर गया, परंतु उसकी जगह चौथा चीनी भाई वापस आया।

He was tied up to a stake.
Fire was set to it and all the people stood around watching it.

In the midst of all the flames they heard him say: "This is quite pleasant."
"Bring some more wood!" the people cried.

The fire roared higher.
"Now it is quite comfortable," said the Fourth Chinese Brother,
for he was the one who could not be burned.
Everybody was getting more and more angry every minute
and they all decided to smother him.

चौथे चीनी भाई को एक मजबूत लकड़ी के खंबे से बांधा गया। फिर खंबे को आग लगा दी गई।
इस नजारे को देखने के लिए सारा गांव उमड़ पड़ा। कुछ समय बाद चारों ओर ऊंची-ऊंची लपटे उठने लगीं।

उस समय चौथे चीनी भाई ने कहा, 'यहां तो मुझे बड़ा मजा आ रहा है।'

उसकी बात सुनकर लोग चिल्लाए, 'और लकड़ी लाओ!'

धीरे-धीरे करके आग की लपटें आसमान को छूने लगीं।

'अब तो मुझे जन्नत का मजा आ रहा है!' चौथे चीनी भाई ने कहा। असल में उसे जलाया ही नहीं जा सकता था।
गांववाले यह सब देखकर गुस्से से आग-बबूले हो गए।
सबने चौथे चीनी भाई को भट्टी में झोंक कर खत्म करने का निर्णय लिया।

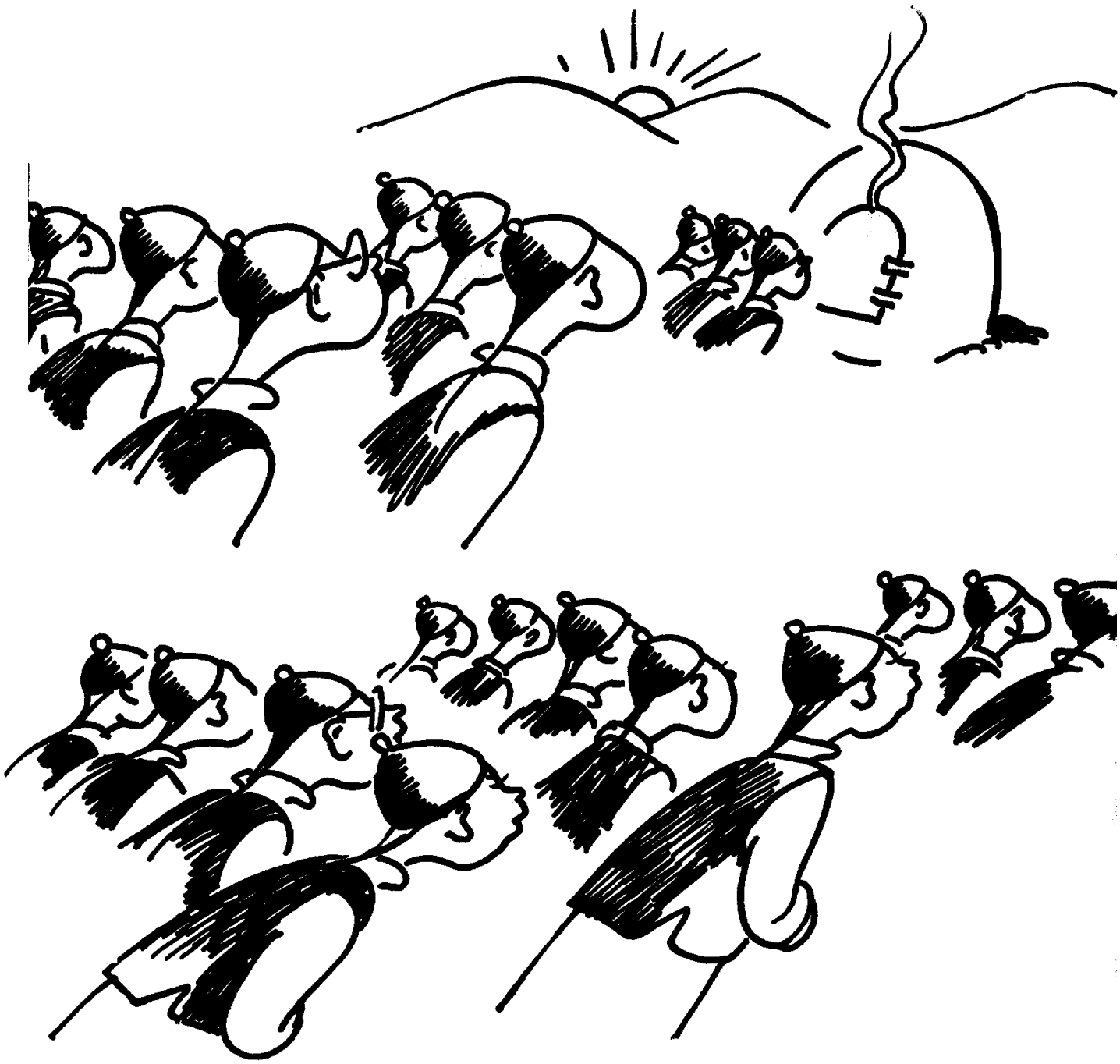

They were not going to be tricked again!
So they stayed there all night and even a little after dawn,
just to make sure.

गांववाले पूरा रात भट्टी के सामने खड़े रहे।
उन्हें डर था कि मुजरिम उन्हें चकमा देकर कहीं भाग न जाए।

Then they opened the door and pulled him out.
And he shook himself and said, "My! That was a good sleep!"
Everybody stared open-mouthed and round eyed.
But the judge stepped forward and said,
"We have tried to get rid of you in every possible way
and somehow it cannot be done.
It must be that you are innocent."
"Yes, yes," shouted all the people.
So they let him go and he went home.

सुबह होने पर लोगों ने भट्टी का दरवाजा खोला और चौथे चीनी भाई को बाहर निकाला।
बाहर निकलते ही चौथे चीनी भाई ने अपनी आंखों को मला और कहा,
'वाह! रात को मुझे बहुत मजेदार नींद आई!'
भट्टी में से वो सकुशल निकल आएगा इस बात पर किसी को यकीन नहीं हुआ। सब लोग
आश्चर्यचकित होकर चीनी भाई को टकटकी लगाए देखते रहे।

इतनी देर में जज साहब भी आ गए और उन्होंने कहा,
'हमने तुम्हें मौत के घाट उतारने की पूरी कोशिश की। परंतु तुम्हें खत्म करना हमारे लिए संभव नहीं हुआ।
हो सकता है, तुमने जुर्म किया ही न हो, और तुम बेगुनाह हो।'
'हां! हां!' सभी गांववाले एक साथ चिल्लाए।
उसके बाद चीनी भाई को रिहा कर दिया गया और वो अपने घर वापस चला गया।

And the Five Chinese Brothers and their mother
all lived together happily for many years.

End

उसके बाद पांचों चीनी भाईयों ने बाकी जीवन अपनी मां के साथ आराम से गुजारा।

अंत